>

Title: Emission of poisonous gas from the wells in Varanasi, Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): माननीय सभापति जी, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय इस सदन के संज्ञान में लाना चाहते हुए आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश में वर्षा कम होने से कुंए सूख गये हैं।

वहां गंभीर सूखा पड़ा है। उन कुओं से जहरीली गैस निकल रही है। पिछले सप्ताह आठ तारीख को हमारे यहां चिरई गांव ब्लाक क्षेत्र में एक गांव भवनपुरा है, जहां किसान अपने कुंए से, पंपिंग सेट से पानी निकालने के लिए, पट्टा ठीक करने के लिए उसके अंदर गया और वहां उसकी जहरीली गैस से मौत हो गयी। इसी प्रकार जालूपुर के क्षेत्र धर्मपुर में जनपद चंदौली और बनारस में लगभग आधे दर्जन गांवों में जो कुएं हैं, जो सिंचाई के उपयोग में लाए जाते हैं, उन कुओं में लगातार गैस के निकलने की बात सामने आ रही है। हम भारत सरकार से मांग करना चाहते हैं कि हमारे देश के भू-वैज्ञानिकों की एक टीम उन जगहों पर भेजी जानी चाहिए, जहां जहरीली गैस से किसानों की मृत्यु हो रही है। अब तक आधा दर्जन किसानों और लोगों की जानें जनपद चंदौली, वाराणसी में जहरीली गैस ले चुकी है। हमने इस संबंध में जिलाधिकारी वाराणसी, चंदौली और कमिश्नर से भी बात की। लेकिन उन सब लोगों ने एक तरह से हाथ खड़े कर दिए हैं। इससे जनता में भय है। वहां भयंकर सूखा पड़ा है, इसीलिए मैंने कहा कि मैं एक गंभीर मामला सदन में लाया हूं। सूखे के कारण कुएं सूख चुके हैं और उनसे जहरीली गैसें निकल रही हैं और लगातार साल-दो साल से इस प्रकार की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। शंकर यादव अपने पंपिंग सेट को ठीक करने में मरा, उसका बेटा भी मर गया और उन दोनों को बचाने के लिए एक गरीब परिवार का बेटा गया तो उसकी भी मृत्यु हो गयी। उस क्षेत्र में इस प्रकार की दो-तीन घटनाएं हो चुकी हैं। उसमें तीन-चार की ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपने सजेशन दे दिया है। आप समाप्त करिए।

श्री रामकिशुन : महोदय, संसदीय कार्यमंत्री जी सदन में उपस्थित हैं। यह किसी सरकार या किसी दल-पार्टी के खिलाफ नहीं है। यह किसानों से जुड़ा हुआ मामला है। हम कुआं खोदते हैं कि उससे पानी निकलेगा, उसमें बोरिंग कराते हैं और उसमें पंपिंग सेट लगाते हैं। पट्टा टूट जाता है, तो उसके नीचे जाते हैं। हम स्वयं भवनपुरा गांव में गए। , मैंने स्वयं दस कुओं का निरीक्षण किया। लालटेन उन कुओं के अंदर डाली गयी, तो 6-7 फीट के नीचे लालटेन जाते ही बुझ गयी। इसका मतलब यह हुआ कि एक बेल्ट ही इस तरह की बन रही है, जहां जहरीली गैस है। पूरे बनारस में गंगा के किनारे जालूपुर और उसी से सटे दूसरे पार धानापुर में दो दलित परिवार कुएं में पानी पीने के लिए नीचे गए।

सभापति महोदय : समाप्त करिए।

श्री रामकिशुन : महोदय, मैं जल्दी ही समाप्त कर रहा हूं। पिछले वर्ष दोनों की मौत हो गयी थी। जो तीसरा व्यक्ति उनको बचाने गया, उसकी भी मृत्यु होते-होते बची, क्योंकि वह तब तक चिल्ला उठा और उसको रस्सी के सहारे बाहर खींच लिया गया। मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि भू-वैज्ञानिकों की एक टीम बनाकर उन क्षेत्रों में भेजें, जहां कुओं से जहरीली गैस निकल रही है या मिल रही है।

महोदय, मेरी दूसरी मांग है कि जो लोग इस तरह की घटनाओं से प्रभावित होते हैं, प्राकृतिक आपदा कोष में से आप कुछ आर्थिक सहायता करते हैं। वहां किसान परिवार उजड़ रहा है। हमारी सरकार से मांग है कि जो लोग जहरीली गैस से प्रभावित होकर दम तोड़ दे रहे हैं, उनको आर्थिक सहायता भारत सरकार दे और उत्तर प्रदेश की सरकार, उसके यथा वित्तीय संसाधन जैसे हों, वह देने का काम करे और तत्काल वाराणसी चंदौली के जिलाधिकारी या उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देशित किया जाए कि वह निकल रही जहरीली गैस को रोकने का प्रभावी नियंत्रण कार्य करे, ताकि किसानों की जानमाल और उनकी संपदा की जो क्षति हो रही है, उसको बचाया जाए।

आपने हमें इस लोक महत्व के विषय पर बोलने का मौका दिया, मैं इसके लिए आपका आभार प्रकट करते हुए पुनः सरकार से कहना चाहता हूं कि यह बहुत ही गंभीर मामला है। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं। मैं आपका संरक्षण चाहते हुए माननीय संसदीयकार्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : रामकिशुन जी, समाप्त करिए।

श्री रामकिशुन : मैं चाहता हूं कि आपका इस संबंध में जवाब आ जाए। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपने अपना प्वाइंट कह दिया है, अभी इसका समय नहीं है, आप बैठ जाइए।

श्री रामकिशुन : आपने ध्यान से सुना है और आपके संज्ञान में ये बातें आ गयीं। अगर आपको लगता है कि ये बातें गलत हैं, तो मैं अपनी बात वापस ले लूंगा, लेकिन आप इसकी जांच करा लीजिए। जांच कराने में आपका क्या जाता है? आपके पास भू-वैज्ञानिकों की केंद्रीय टीम है, उसे भेजकर आप जांच कराइए। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : What is going on here? There are fourteen more Members to speak. You have to cooperate with the Chair. This is too much. I do not want to remove what you are saying from the records. There is a limit for tolerance. Other Members are also waiting.

â€¦(व्यवधान)

श्री रामकिशुन : मैं चेयर की मर्जी के खिलाफ नहीं बोल रहा हूं।...(व्यवधान)